

FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 25)

ACE No. मुकाम बहरीड, (बहावर)
 विक्रमसिंह बनाम सुभाषिणी
 दावा नं० 218 सन् 04-8-2012

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर या तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामिल में जारी हुए
<p>7.8.12 दावा क्रमसिंह जी / प्रतिवादीगण तल्लु जी / दिनांक 29/8/12 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">सहायक कलेक्टर बहरोड (बहावर)</p>	
<p>29/8/12 — आज पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक सच ने कार्य स्थगित कर रखा है। पक्षकाराने उप पत्रावली दिनांक 31.10.12 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">सहायक कलेक्टर बहरोड</p>	
<p>31-10-12 — आज पत्रावली पेश हुई। बकूलाय प उप पीठासीन अधिकारी अवकाश/दी मिटिंग म पधारें हैं। पत्रावली उनक समक्ष दि. 23-11-12 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">2</p>	
<p>23-11-12 — आज पत्रावली पेश हुई। बकूलाय फरीक उप पीठासीन अधिकारी अवकाश/दी मिटिंग म पधारें हैं। पत्रावली उनक समक्ष दि. 11/5/13 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">9</p>	
<p>1.5.13 — आज पत्रावली पेश हुई। बकूलाय फरीक उप पीठासीन अधिकारी अवकाश/दी मिटिंग म पधारें हैं। पत्रावली उनक समक्ष दि. 31.12.12 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">9</p>	
<p>31/12/13 — आज पत्रावली पेश हुई। बकूलाय फरीक उप पीठासीन अधिकारी अवकाश/दी मिटिंग म पधारें हैं। पत्रावली उनक समक्ष दि. 25-9-13 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">13</p>	

15-4-24 आज यह पत्रावली पेश हुई 8757 के वकील उपस्थित है... को समझ बास्ते है। पत्रावली बास्ते... दिनांक 2-7-24 को पेश है।

उपस्थित अधिकारी
नीमराना (फोटोपुलली-पहरांड)

2-7-24 आज पत्रावली पेश हुई। वकलाय फरीकेन उप श्री पीठासीन अधिकारी अकाश खोरे मितिग मे पधारं है। पत्रावली उनके समक्ष दिनांक 2-7-24 को पेश हो

28-8-24 आज यह पत्रावली पेश हुई। बार सघ नीमराना द्वारा कार्य स्थगन किये जाने का ज्ञापन पेश किया है। पत्रावली पूर्व भादेशिकानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 2-9-24 को पेश हो।
रीडर

23-9-24 आज यह पत्रावली पेश की गई उपस्थित के वकलाय उपस्थित है। पीठासीन अधिकारी का स्थानान्तरण हो चुका है। उनके जाने पर पत्रावली दिनांक 23-9-24 को पेश की गयी

19/10/24

आज यह पत्रावली पेश हुई। वकील, वकील के वकील उपस्थित है। पत्रावली में बार-बार आठ दिनांक में, परन्तु वकील वकील के वकील उपस्थित वकील माफ में वा की कोर रूपना की समझ। समझ पर प्रीतित होता है कि वकील, वकील चलान की वकील चाहता है। मर। वकील का वकील मर। पेशी व मर। वकील में खाली किया जाता है। पत्रावली कोमल से माफ को जगना से का है। बार वकील शोचन देकर है।